B.A. (Hons) Part – III

Paper VII Group – (A)

Industrial – Psychology

By – Dr. Ramendra Kumar Singh

H.O.D., Psychology

D.K. College, Dumraon (Buxar)

VKSU, Ara



Question:- What is monotony? Distinguish between monotony and fatigue. (अरोचकता क्या है? अरोचकता एवं थकान में अन्तर स्पष्ट करें।

आज भी हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में आने के लिये संघर्षरत है। इसका एक प्रमुख कारण औद्योगिक विकास की दृष्टि से देश का समुचित विकास नहीं हो पाना है। औद्योगिक इकाईयों में कार्यरत कर्मचारियों में काम के प्रति रूचि का अभाव भी पिछड़ेपन का एक प्रमुख कारण है। ऐसी स्थिति में अरोचकता (Monotony) का अध्ययन औद्योगिक मनोविज्ञान का एक प्रमुख विषय हो जाता है।

अरोचकता का व्यापक प्रभाव उत्पादन पर पड़ता है। यह एक तरह की मानसिक अवस्था होती है जिसमें कर्मचारियों में काम के प्रति अभिरूचि में कमी आ जाती है। इस स्थिति में कर्मचारी में काम करने की रूचि समाप्त हो जाती है और काम करने पर संतोष नहीं मिलता है। कर्मचारी विवशतावश काम करता है। इसकी व्याख्या के लिये मनोवैज्ञानिकों द्वारा कई प्रकार के सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया गया है, जो बहुत हद तक आपस में समानता रखते हुए भी विरोधाभासी हैं। यहाँ हम उस पचड़े में न पड़कर एक सरल परिभाषा देने का प्रयास करेंगे:-

"Monotony is a condition of mental conflict in which an individual losses his interest to perform the job, but works under compulsion."

इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि अरोचकता की अवस्था में कामगार में काम के प्रति रूचि घट जाती है और यह एक प्रकार की मानसिक संघर्ष की स्थिति होती है जिसमें कर्मी को विवशतावश कार्य करना पड़ता है। ऐसी हालात में उत्पादन में ह्रास आना स्वभाविक है।

## अरोचकता एवं थकान में अन्तर :-

अरोचकता एवं थकान दोनों ही औद्योगिक मनोविज्ञान की एक प्रमुख समस्या है। औद्योगिक-उत्पादन ह्रास के लिये दोनों ही जिम्मेदार हैं। दोनों का ही आपस में घनिष्ठ सम्बन्ध है जिसके कारण लोग भूलवश दोनों को एक समझ बैठते हैं। दोनों के बीच तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्नलिखित अन्तर पाते हैं:—

1.) अरोचकता एवं थकान में पहला अन्तर यह है कि अरोचकता या नीरसता में कर्मचारियों में मानसिक ह्रास के लक्षण विकसित होते हैं यानी नीरसता में व्यक्ति में काम के प्रति रुचि घट जाती है। व्यक्ति उस कार्य को मन से अस्वीकार करने लगता है, पर शारीरिक क्षमता बनी रहती है दूसरी तरह थकान की अवस्था में शारीरिक क्षमता का ह्रास हो जाता है जिससे उत्पादन घट जाता है। शरीर शिथिल होने लगता है जबकि मन कार्य करने की दशा में रहता है।

2.) अरोचकता में काम करने की शक्ति बनी रहती है, जबकि थकान में काम करने की शक्ति का ह्रास हो जाता है।

3.) थकान की ~~अवस्था~~ में आगमन काम के भार का परिणाम हो सकता है। अर्थात जब कर्मचारी किसी काम को अधिक देर तक करता है तो उसकी शारीरिक ऊर्जा की खपत अधिक होती है जिससे थकान का आगमन होता है। वह विश्राम करके पुनः शक्ति संचित कर लेता है और काम करने लायक हो जाता है। नीरसता काम की कठिनता से नहीं अपितु काम के प्रति अरुचि से उत्पन्न होता है। इसमें कार्यकर्ता विश्राम नहीं करता है, बल्कि काम में बदलाव चाहता है।

4.) दोनों का तुलनात्मक अध्ययन करते पर हम पाते हैं कि Fatigue is objective in nature but monotony is subjective थकान का स्वरूप वस्तुनिष्ठ होता है। लगातार काम करते पर सभी थकते हैं। दूसरी ओर Monotony व्यक्तिगत होता है। एक ही काम किसी व्यक्ति के लिए अरोचक तो किसी के लिए रोचक हो सकता है। अरोचकता वैसे कर्मचारियों में अधिक होती है जो अपने काम में अभियोजित नहीं हो पाते हैं।

5.) थकान में कामगार में अनेक प्रकार के शारीरिक परिवर्तन होते हैं जिसे मापा जा सकता है, जबकि नीरसता को मापना कठिन होता है, क्योंकि यह आत्मनिष्ठ भाव है जिसमें मानसिक एवं संवेगात्मक परिवर्तन होते हैं।

6.) दोनों में अन्तर करते हुए मनोवैज्ञानिकों का कहना है, कि प्रत्येक काम में थकान होगा, चाहे कार्यकाल की लम्बाई कितनी भी कम क्यों न हो. लेकिन प्रत्येक काम में Monotony हो ऐसा कोई जरूरी नहीं है।

7.) थकान मूलतः दो प्रकार का होता है - Necessary fatigue एवं Unnecessary fatigue. Necessary fatigue काम करने से शक्ति का व्यय होने से होता है, जबकि Unnecessary fatigue का आगमन अवांछित कारणों से होता है। जबकि Monotony में इस तरह का ~~आगमन~~ वर्गीकरण नहीं होता है।

(08) थकावट का आगमन लगभग चार घंटे लगातार काम करने के बाद उत्पादन जब चरम स्तर पर पहुँच जाता है तब होता है जबकि नीरसता का आगमन काम के प्रारम्भ में भी हो सकता है।

9) थकावट के द्वारा उत्पादन ~~उत्पादन~~ में गिरावट तब तक आती है जबतक छुट्टी नहीं हो जाती है, लेकिन अरोचकता की अवस्था में उत्पादन में आई कमी काम समाप्त होने के समय उत्पादन बढ़ जाता है।

10) थकान एवं नीरसता का तुलनात्मक अध्ययन यह बताता है कि यदि ~~अकन~~ इसे रेखीय वक्र से दिखाया जाए तो थकान वक्र मध्य में अधिक ऊँचा रहता है, जबकि नीरसता वक्र नीचे की ओर झुका होता है पर कार्य समाप्ति के समय ऊपर उठ जाता है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि थकान एवं अरोचकता दोनों औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ हैं जिसका व्यापक प्रभाव उत्पादन एवं प्रगति पर पड़ता है। ये दोनों आपस में इस तरह जुड़े होते हैं कि उन्हें बड़े ही यत्न और मनोवैज्ञानिक तरीकों से अलग अलग पहचाना जा सकता है। देश की प्रगति के लिए उन्हें ~~अलग~~ दूर करना मनोवैज्ञानिकों के समक्ष एक बहुत बड़ी जिम्मेवारी है।

R.K. Singh
09.07.2020
Deptt of Psy.
A.N.R. College Dumraon